(मैनुअल/कम्प्यूटर)

हिंदी टंकण परीक्षा–जुलाई, 2014
भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग,
हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध
प्रश्न पत्र–प्रथम
बैच-I

समय : 1 घंटा 40 मिनट पूर्णांक : 50

1. निम्नलिखित सारणी (स्टेटमेंट) को सुन्दर ढंग से टाइप कीजिए : (20 अंक)

एन.सी.आर. के प्रमुख भूखण्डों का विवरण

क्र.सं.	स्थान	भूखण्डों की संख्या	क्षेत्रफल (वर्गमीटर में)	पंजीकरण की धनराशि
1.	फरीदाबाद	120	100	1,00,000
2.	गुड़गांव	110	100	1,00,000
3.	गाज़ियाबाद	80	120	1,00,000
4.	सोनीपत	70	150	1,20,000
5.	पलवल	65	200	1,25,000
6.	नोएडा	85	90	90,000
7.	नरेला	50	70	50,000
8.	बल्लभगढ़	45	100	80,000

2. निम्नलिखित पत्र को सही व सुन्दर ढंग से टाइप करें : (10 अंक)

सं0 21010/2/2013/केहिप्रसं/5621

भारत सरकार
गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग,
केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

2-ए, पृथ्वीराज रोड,
नई दिल्ली-110011
दिनांक : 02 मई, 2013

सेवा में,

उप प्रबंधक (राजभाषा)
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि0,
भिलाई इस्पात संयंत्र,
भिलाई-490001

विषय : <u>पत्राचार पाठ्यक्रम द्वारा हिंदी टाइपलेखन का प्रशिक्षण दिलाने के संबंध में ।</u>

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में आपका पत्र इस कार्यालय में प्राप्त हुआ । तद्नुसार आपको अवगत कराया जाता है कि पत्राचार पाठ्यक्रम द्वारा हिंदी टाइपलेखन प्रशिक्षण हेतु आगामी सत्र 02 अगस्त, 2013 से आरंभ होने जा रहा है जिसमें आपकी ओर से नामांकन प्राप्त होना अपेक्षित है । अतएव आपसे अनुरोध है कि आपके कार्यालय में प्रशिक्षण हेतु शेष बचे हुए कर्मचारियों में से पत्राचार पाठ्यक्रम द्वारा हिंदी टंकण का प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक कर्मचारियों के नाम यथाशीघ्र भिजवाने की व्यवस्था करें ताकि समय रहते आगामी आवश्यक कार्यवाही की जा सके ।

भवदीय,

(अ0ब0स0)
उप निदेशक

3. निम्नलिखित हस्तलेख को इसमें किए गए संशोधन, परिवर्तन, परिवर्धन आदि का समावेश करते हुए ठीक प्रकार से टाइप कीजिए :

(20 अंक)

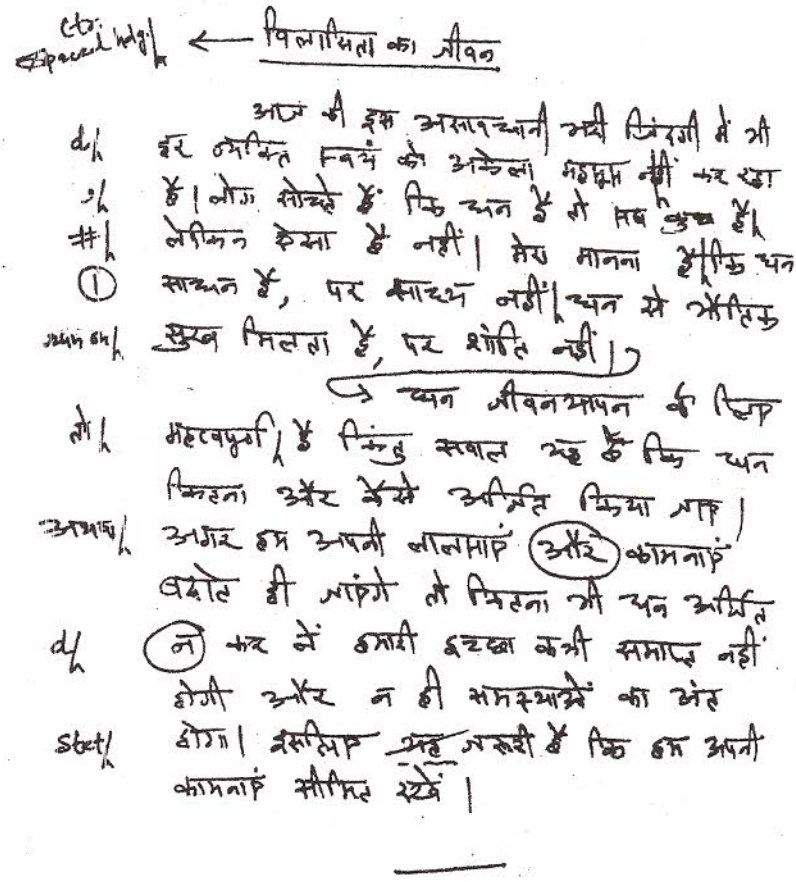

(मैनुअल/कम्प्यूटर)

हिंदी टंकण परीक्षा—जुलाई, 2014

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा स्कंध)

प्रश्न-पत्र—द्वितीय

बैच-I

समय : 10 मिनट पूर्णांक : 50

बच्चे हमारे समाज की एक बहुत बड़ी धन-दौलत होती है । इसलिए हमें बच्चों का हर 84
प्रकार से ख्याल रखना चाहिए । उनके लिए अच्छे खान-पान का ध्यान रखना हमारा प्रथम कर्तव्य 178
है । किसी भी देश का बचपन यदि स्वस्थ रहेगा तो हमारा भविष्य भी उज्ज्वल और 271
अच्छा तथा खूबसूरत रहेगा । किसी भी देश का यदि बचपन अस्वस्थ हो गया तो उस देश का 360
बहुत बड़ा दुर्भाग्य ही समझिए । आज जिस प्रकार की शिक्षा प्रणाली है और जिस प्रकार की 457
शिक्षा बच्चों को प्रदान की जा रही है वह बहुत ही कठिन है । आज की शिक्षा प्रणाली बहुत ही 554
महंगी और खर्चीली हो गई है । इस शिक्षा प्रणाली से बच्चों में शिक्षा के प्रति बहुत ज्यादा तनाव 660
रहता है । परीक्षा के दिनों में तो बच्चों में बड़ा भयंकर तनाव देखने को मिलता है । इस तनाव 755
के कारण होते हैं । इस तनाव के लिए बच्चे स्वयं इतने बड़े दोषी नहीं हैं, बल्कि इसके लिए 844
अभिभावक, अध्यापक, तथा शिक्षा नीति बनाने वाले शिक्षा शास्त्री सभी बराबर के दोषी हैं । 946
कई बच्चे पढ़ाई को गंभीरता से नहीं लेते, वे सोचते हैं अभी तो परीक्षा में काफी समय है । 1048
बाद में पढ़ाई करेंगे, परंतु समय बड़ी जल्दी-जल्दी व्यतीत हो जाता है, फिर सामने सिर के 1141
ऊपर परीक्षा खड़ी दिखाई देती है । उस समय बच्चों में तनाव का बढ़ना शुरू हो जाता है । 1235
इसलिए वह पढ़ाई करने में कतराते हैं और परीक्षा के दिनों में तनावग्रस्त हो जाते हैं । 1326

अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय-समय पर शिक्षा के प्रति उन्हें अच्छी 1415
प्रकार से जागरूक करें । इससे बच्चों को परीक्षा के दिनों में तनाव का सामना नहीं करना 1502
पड़ेगा तथा वे शांतिपूर्वक अपनी परीक्षा दे सकेंगे । समय से पूर्व परीक्षा की तैयारी न करने 1601
पर बच्चों में घबराहट होने लगती है । इस घबराहट के कारण बच्चों की मानसिक एकाग्रता 1690
भंग होने लगती है । इससे उनकी याद करने की स्मरण शक्ति कम होती जाती है । परीक्षा के कारण 1785
बच्चे ने जो याद किया है वह भी वह भूलने लगता है । घबराहट में जो कुछ उसने पढ़ा है, 1875
जो परीक्षा की तैयारी की है वह भी बेकार चली जाती है । परीक्षा में वह तनावग्रस्त हो जाता 1969
है, उसके हाथ कांपने लगते हैं जो कुछ उसे याद भी होता है घबराहट के कारण वह उत्तर 2060
जानते हुए भी उतनी जल्दी से लिख नहीं पाता । इसका परिणाम बेचारे बच्चों को भुगतना 2147
पड़ता है । 2160

हम अकसर देखते हैं कि परीक्षाओं में केवल कमजोर और पढ़ाई में कच्चे विद्यार्थियों 2250
को ही घबराहट और तनाव नहीं होता, बल्कि पढ़ाई में होशियार और अच्छे विद्यार्थियों को 2349

कृ.पृ.उ.

भी अत्यधिक तनाव होता है । कई विद्यार्थी तो अपनी क्षमता से अधिक अपेक्षाएं रखते हैं । 2447
उन्हें हमेशा डर लगा रहता है कि अगर उनका परिणाम उनकी अपेक्षाओं के अनुकूल नहीं 2532
आया तो क्या करेंगे । अच्छा परिणाम न आने की आशंका से उन्हें हमेशा तनाव बना रहता 2620
है और डर लगा रहता है । और यही डर उनकी कार्यक्षमता को कम करता है जिसके कारण 2706
कई बार अच्छी तैयारी होने के बावजूद भी विद्यार्थियों को उनकी अपेक्षा के अनुकूल 2791
परिणाम नहीं प्राप्त होता । अभिभावकों का अनावश्यक दबाव भी बच्चों पर पड़ा रहता है । 2882
कई बार माता-पिता भी अपने बच्चों की शिक्षा की समर्थतता और कार्यक्षमता का सही 2975
और अच्छी प्रकार से आंकलन नहीं कर पाते । 3016

हिंदी आशुलिपि परीक्षा–जुलाई, 2014

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा स्कंध)

प्रश्न-पत्र–प्रथम

बैच-I

डिक्टेशन का समय : 5 मिनट | पूर्णांक : 100
लिप्यंतरण का समय : 50 मिनट | (गति : 80 शब्द प्रति मिनट)

अध्यक्ष महोदय, मैं उन सभी सदस्यों का आभारी हूं जिन्होंने इस बहस में हिस्सा लिया है । मैंने अचानक होने/वाली घटना की आशा नहीं की थी । हमने हर विषय पर राष्ट्रीय सहमति प्राप्त करने की चेष्टा की थी जो // हमें मिली भी और आमतौर पर दी गई । अचानक ही हमें एक तनावपूर्ण क्षण और एक तनावपूर्ण /// स्थिति का सामना करना पड़ रहा है । यह स्थिति न केवल हमारे देश के लिए और
(1) हमारे देश की जनता × के लिए तनावपूर्ण है, बल्कि विदेशों में हमारे देश की छवि के लिए भी अच्छी नहीं है । विदेशों में / अपने देश की छवि को लेकर ही मैं ज्यादा चिंतित हूं । एक ऐसे समय में जब देश में लागू // किए गए हमारे सुधारों का चारों ओर स्वागत हो रहा था और एक ऐसे समय में जब उसके नतीजे /// भी मिलने शुरू हो गए थे, हमारे देश में हमारे आर्थिक ढांचे में तेज गति से पूंजी लगनी शुरू
(2) हो × गई थी, ऐसे समय में इस बहस ने जो मोड़ लिया है, उससे हमारी स्थिति को धक्का ही लगा / है । इससे हमें जो नुकसान हुआ है, उसे ठीक कर पाने में अब समय लगेगा ।

सरकार द्वारा कार्य संभालने // के तीन या चार दिन के बाद मैंने विरोधी दलों के नेताओं की एक बैठक बुलाई थी । हमारे वित्त मंत्री /// ने पूरी बात उनके सामने रख दी थी कि तीन या चार दिन पूर्व
(3) हमने कार्यभार संभाला × है तो उस समय कैसी हालत में हमें विरासत मिली थी । विचार विमर्श के बाद वे इस पर सहमत थे / कि और कोई विकल्प नहीं है । उससे हमारी हिम्मत बढ़ी कि हम नए सुधारों के साथ आगे बढ़ें । मैंने // संसद के दोनों सदनों में भी और बाहर भी यह बात बिलकुल साफ कर दी है कि मैं सदस्यों की /// संख्या पर निर्भर नहीं कर रहा हूं और मैं इस बात से भयभीत भी नहीं हूं । यदि
(4) सदन में × हमारे पास बीस या तीस सीटें अधिक भी होती तो भी मैं आम सहमति के तरीके को अपनाता क्योंकि अब / समय आ गया है कि जब हम केवल सदस्य संख्या के बल पर ही अपनी आज की समस्याओं का समाधान // नहीं कर सकते । इसी बात को मैं अब पुनः दोहरा रहा हूं । मैं सदस्यों की संख्या के आधार पर नहीं /// चलूंगा परंतु जब इस प्रकार की स्थिति पैदा हो जाती है तो सदस्यों की संख्या निश्चय ही
(5) महत्वपूर्ण हो जाती × है ।